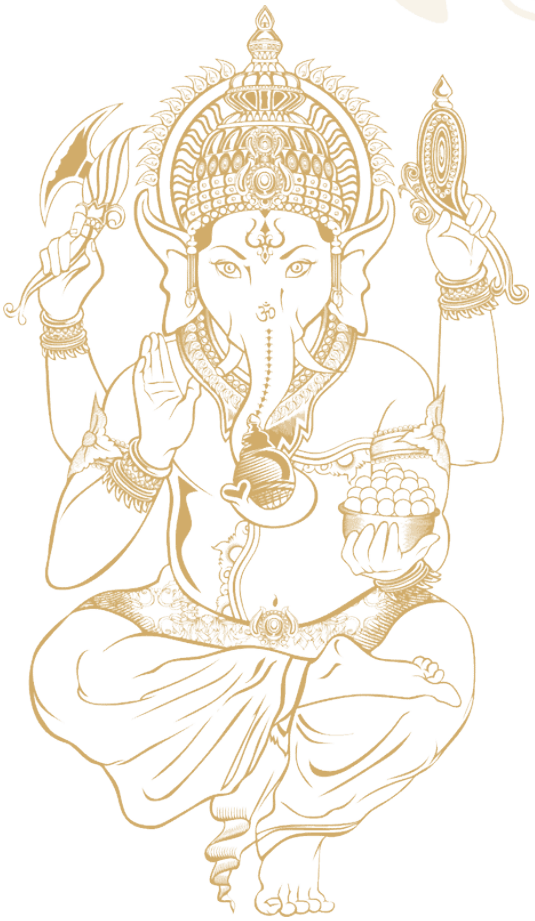

22 Feb 2026

08:06 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121481604

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:06:00 घंटे**
इष्ट	03:21:25 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:50:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:30 घंटे
साम्पातिक काल	17:58:21 घंटे
सूर्योदय	06:45:25 घंटे
सूर्यास्त	18:13:23 घंटे
दिनमान	11:27:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:15:07 कुम्भ
लग्न के अंश	05:12:45 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	05:12:45	495:43:27	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			कुंभ	09:15:07	01:00:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	07:35:00	14:02:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मक	29:05:23	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	26:55:32	00:40:01	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:20:09	00:03:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	20:23:22	01:14:58	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	06:41:25	00:06:56	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:49	00:00:38	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:49	00:00:38	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:22:44	00:00:57	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:34:36	00:02:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:07:00	00:01:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	05:23:58	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

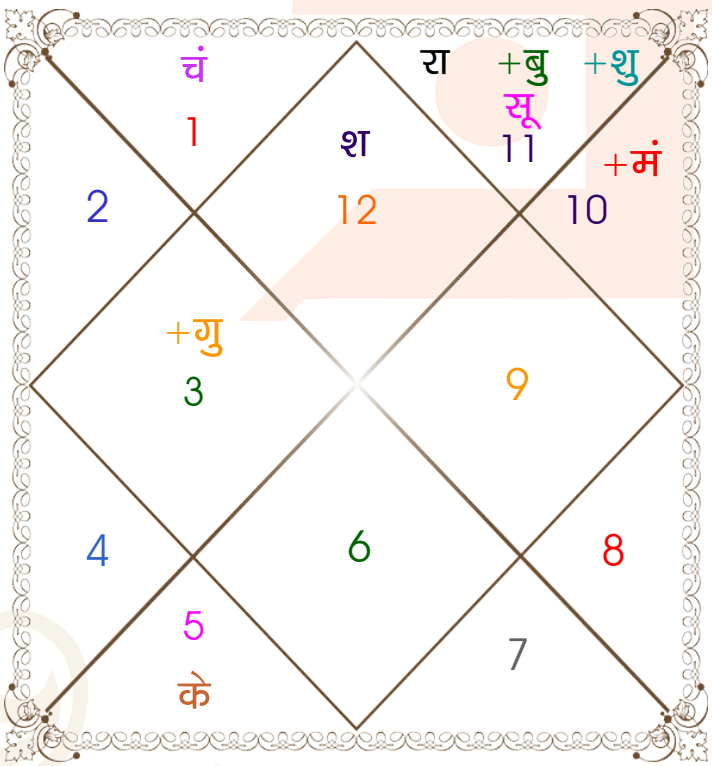

चन्द्र कुंडली

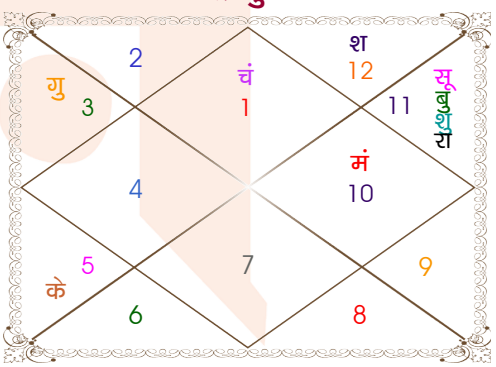

नवमांश कुंडली

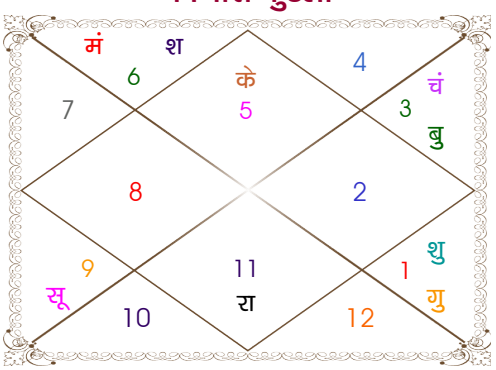

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 0 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/02/2026		28/02/2029		28/02/2049		01/03/2055		28/02/2065	
28/02/2029		28/02/2049		01/03/2055		28/02/2065		29/02/2072	
	00/00/0000	शुक्र	30/06/2032	सूर्य	18/06/2049	चंद्र	30/12/2055	मंगल	28/07/2065
	00/00/0000	सूर्य	30/06/2033	चंद्र	18/12/2049	मंगल	30/07/2056	राहु	15/08/2066
	00/00/0000	चंद्र	01/03/2035	मंगल	24/04/2050	राहु	29/01/2058	गुरु	22/07/2067
	00/00/0000	मंगल	30/04/2036	राहु	19/03/2051	गुरु	31/05/2059	शनि	30/08/2068
	00/00/0000	राहु	01/05/2039	गुरु	05/01/2052	शनि	30/12/2060	बुध	27/08/2069
	22/02/2026	गुरु	30/12/2041	शनि	17/12/2052	बुध	31/05/2062	केतु	23/01/2070
गुरु	23/01/2027	शनि	28/02/2045	बुध	24/10/2053	केतु	30/12/2062	शुक्र	25/03/2071
शनि	03/03/2028	बुध	30/12/2047	केतु	01/03/2054	शुक्र	30/08/2064	सूर्य	31/07/2071
बुध	28/02/2029	केतु	28/02/2049	शुक्र	01/03/2055	सूर्य	28/02/2065	चंद्र	29/02/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/02/2072		01/03/2090		02/03/2106		01/03/2125		02/03/2142	
01/03/2090		02/03/2106		01/03/2125		02/03/2142		00/00/0000	
राहु	11/11/2074	गुरु	18/04/2092	शनि	04/03/2109	बुध	29/07/2127	केतु	29/07/2142
गुरु	06/04/2077	शनि	30/10/2094	बुध	13/11/2111	केतु	25/07/2128	शुक्र	28/09/2143
शनि	11/02/2080	बुध	04/02/2097	केतु	21/12/2112	शुक्र	26/05/2131	सूर्य	03/02/2144
बुध	30/08/2082	केतु	11/01/2098	शुक्र	21/02/2116	सूर्य	01/04/2132	चंद्र	03/09/2144
केतु	18/09/2083	शुक्र	12/09/2100	सूर्य	02/02/2117	चंद्र	31/08/2133	मंगल	30/01/2145
शुक्र	18/09/2086	सूर्य	01/07/2101	चंद्र	03/09/2118	मंगल	28/08/2134	राहु	18/02/2146
सूर्य	12/08/2087	चंद्र	31/10/2102	मंगल	13/10/2119	राहु	17/03/2137	गुरु	23/02/2146
चंद्र	10/02/2089	मंगल	07/10/2103	राहु	19/08/2122	गुरु	23/06/2139		00/00/0000
मंगल	01/03/2090	राहु	02/03/2106	गुरु	01/03/2125	शनि	02/03/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकती हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगी तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगी। आप सदैव चाहती हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् पुरुषों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझती हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहती हैं। आप पति के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाले कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगी तब आप और भी अच्छा कर सकती हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकती हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब की सदस्य होंगी एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगी। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि की द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाती हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल

देती हैं। आप एक चिंतनशील भावना की प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में सोचती रहती है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालती है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करती हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकती हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।